किसी विशेष करार में दिलचस्पी रखते हों तो उसका उत्तर देने में मुझे प्रसन्नता होगी ।

(ख) तथा (ग) जानकारी इकट्ठी की जा रही है और सभा की मेज पर रख दी जायेगी ।

f[THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI MANUBHAI SHAH): (a) It is npt possible to collect this information. However, if the hon. Member is interested in any particular agreements, I will be glad to furnish the answer.

(b) and (c) Information is being collected and will be laid on the Table of the House.]

हिन्दी पुस्तकों का खरीदा जाना

८०. **श्री नवाबसिंह चौहान :** क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उनके मंत्रालय में गत छः माह में कितनी पुस्तकें खरीदी गईं और उनमें से कितनी हिन्दी की थीं ;

(ख) इसी अवधि मे मंत्रालय के पुस्तकालय में कितने और हिन्दी समाचार-पत्र तथा हिन्दी पत्र-पत्रिकायें मंगाई गईं ; और

(ग) क्या उनके मंत्रालय से संबंधित विषयों पर प्रकाशित होने वाली हिन्दी पुस्तकों की जानकारी रखने और पुस्तकालय के लिये उनके चुनाव करते रहने के लिये कोई नियमित व्यवस्था की गई है या करने का विचार है ?

t [PURCHASE OF BOOKS IN HINDI

80. SHRI NAWAB SINGH CHAU-HAN; Will the Minister of COMMERCE AND INDUSTRY be pleased to state:

(a) the number of books purchased by his Ministry during the last six months and how many of them were in Hindi;

(b) the number of additional Hindi newspapers, Hindi papers and periodicals subscribed for the library of the Ministry during the same period; and

(c) whether any regular arrangements have been made or are proposed to be made for keeping information of Hindi books published on the subjects relating to his Ministry and for selecting them for the library?]

उद्योग मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : (क) ५८५, सभी अंग्रेजी में ।

(ख) कोई नहीं ।

(ग) जी हां ।

f[THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI MANUBHAI SHAH): (a) 585, all in English-

(b) Nil.

(c) Yes.]

संधियों/करारों के प्रलेखों का हिन्दी में तैयार किया जाना

८१. **श्री नवाबसिंह चौहान :** क्या पुनर्वास तथा अल्पसंख्यक-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उनके मंत्रालय ने १९५९ तथा १९६० में अन्य देशों के साथ कितनी संधियां अथवा करार किये ;

(ख) इन संधियों अथवा करारों से संबंधित कितने प्रलेख हिन्दी में भी तैयार किये गये ; और

(ग) क्या भविष्य में सभी संधियों तथा करारों को हिन्दी में भी तैयार करने की कोई निश्चित व्यवस्था की गई है अथवा करने का विचार है ।

•(■[ ] English translation.